भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3442

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स, कल्याणी में वरिष्ठ डॉक्टरों की कमी

†3442. श्री अबू ताहेर खानः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सत्य है कि एम्स, कल्याणी में अधिकांश ओपीडी उपचार कनिष्ठ डॉक्टरों द्वारा किया जाता है और इसके परिणामस्वरूप, कई बार पुरानी बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को उचित उपचार से वंचित रहना पड़ता है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सत्य है कि उक्त अस्पताल में बिस्तरों की कमी के कारण आपातकालीन मरीजों को भर्ती सेवा से वंचित रहना पड़ रहा है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): वर्ष 2025 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कल्याणी में 31 क्लिनिकल स्पेशियलिटी/सुपर- स्पेशियलिटी के बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) में 5.4 लाख से अधिक रोगियों ने उपचार/परामर्श प्राप्त किया है। पूर्व-निर्धारित ड्यूटी रोस्टर के अनुसार ओपीडी में डॉक्टरों की तैनाती की जाती है। इस संस्थान में वर्तमान में 568 बिस्तर हैं। 16 बिस्तरों के साथ ट्रॉमा और आपातकालीन सेवाएँ भी चालू हैं। एम्स कल्याणी में आने वाले रोगियों के लिए उपचार व्यवस्थाएँ गहन नैदानिक मूल्यांकन पर आधारित हैं, जो पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल जाँचों द्वारा समर्थित हैं। आपातकालीन स्थिति में सभी रोगियों को शीघ्र प्रारंभिक और जीवन रक्षक उपचार प्रदान किया जाता है।

*****